19-02-2023

फिलीपींस और युगांडा में शर्करा संस्थान खोलने की पहल

8 देशों के डेलिगेशन ने एनएसआई का दौरा किया | फिल्मी एक्ट्रेस जूही बावला की युगांडा की चीनी मिलों में मिनी शर्करा संस्थान खुलेगा | विकसित सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल ऑफ शुगर इंडस्ट्री को डेलिगेशन ने सराहा

डीटीएनएन

कानपुर। एनएसआई प्रवास पर आए 7 देशों के प्रतिनिधि मंडल में फिलीपींस के प्रतिनिधि मंडल ने फिलीपींस में शर्करा संस्थान खोलने में रुचि दिखाई है। संस्थान इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में डेलिगेशन ने डायरेक्टर से डिटेल में वार्ता की और आग्रह किया कि एन एस आई हमारे संस्थान को शुरू कराने में मदद करे। जल्द ही एक डेलिगेशन फिलीपींस के लिए जाएगा। इसी तरह से युगांडा के डेलिगेशन में फिल्मी एक्ट्रेस जूही बावला की मिलों के तेह एनएसआई के पूर्व एलुमनाई एससी शर्मा ने कहा कि वह जल्द ही युगांडा में एक मिनी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान खोलेंगे इसके लिए बोर्ड में प्रपोजल पास कर एनएसआई के डेलिगेशन को इनवाइट करेंगे। यह जानकारी एनएसआई डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने दी। 17 सदस्य विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान देखा संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मॉरीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया और युगांडा के 17 प्रतिनिधियों की एक टीम ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का दौरा किया ताकि इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन किया जा सके और आपसी हित के क्षेत्रों पर एक साथ काम करने की संभावनाएं तलाशी जा सके। प्रतिनिधि इन देशों के संस्थानों और चीनी कारखानों में कार्यरत हैं। पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत करने के बाद, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी। एक छत के नीचे शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और चीनी गुणवत्ता नियंत्रण की गतिविधियों से प्रतिनिधि काफी प्रभावित हुए। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा कि संस्थान ने चीनी उद्योग के विकास और इसे टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान द्वारा विकसित सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल ऑफ शुगर इंडस्ट्री को उद्योग को व्यवहार्य बनाने के लिए प्रतिनिधियों द्वारा काफी सराहा गया। विशेष रूप से फिलीपींस और युगांडा के प्रतिनिधियों ने अपने देशों में संभावित कार्यान्वयन के लिए मॉडल के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। इन देशों ने अपने-अपने देशों में शर्करा संस्थान स्थापित करने में संस्थान के सहयोग की भी इच्छा जताई। इसके बाद प्रतिनिधियों ने अनुसंधान और अन्य गतिविधियों को देखने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य

सुविधाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनॉल और बीयर इकाई और विशेष चीनी अनुभाग का दौरा किया। शुगर टेक्नोलॉजी डिवीजन में मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए शोकेस में रखी ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड की प्रतिनिधियों ने काफी सराहना की। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने ऐसे उत्पादों की लागत- अर्थशास्त्र और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए संभावित गठजोड़ के बारे में चर्चा की। (श्रीमती) गिलियन एग्लस्टन, निदेशक, आंडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, यूएसए ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और दोनों संस्थानों के लाभ के लिए एक दूसरे की गतिविधियों में भागीदारी की संभावनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहा कि दोनों संस्थान के संकायों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान की व्यवस्था करके गतिविधियों को शुरू करने के लिए आपसी सहमति बनी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के निदेशक ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की यात्रा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए नए दरवाजे खोलेगी और संस्थान की गतिविधियों को कई और देशों में आगे ले जाएगी।

अमेरिका, आस्ट्रेलिया सहित 17 देशों के प्रतिनिधियों ने किया एनएसआई का दौरा

एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन के साथ विभिन्न देशों के प्रतिनिधि।

कानपुर, 18 फरवरी। संयुक्त राज्य अमेरिका, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मारीशस, फिलीपींस, कोलंबिया और युगांडा के 17 प्रतिनिधियों की टीम ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर का दौरा किया और संस्थान की कार्यप्रणाली की अध्ययन किया और आपसी हितों के क्षेत्रों में एकसाथ मिलकर काम करने की संभावना तलाशी जा सके। सभी प्रतिनिधि इन देशों के संस्थानों और चीनी कारखानों में कार्यरत है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने प्रतिनिधियों का स्वागत करने बाद संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी। एक छत के नीचे शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और चीनी गुणवत्ता नियंत्रण की गतिविधियों से प्रतिनिधि काफी प्रभावित हुए। निदेशक ने कहाकि संस्थान ने चीनी उद्योग के विकास और इसे टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान द्वारा विकसित सेल्फ सस्टेनबल माडल आफ शुगर इंडस्ट्री को उद्योग को व्यवहार्थ बनाने के लिए प्र तिनिधियों द्वारा काफी सराहा गया। विशेष रूप से फिलीपींस और युगांडा के प्रतिनिधियों ने अपने देशों में संभावित कार्यान्वयन के लिे माडल के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। इन देशों ने अपने-अपने देशों में शर्करा संस्थान स्थापित करने में संस्थान के सहयोग को भी इच्छा जाहिर की। इसके बाद प्रतिनिधियों ने अनुसंधान और अन्य गतिविधियों को देखने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और उन्य सुविधाओं, प्रायौगिक चीनी मिल, इथेनाल और बीयर इकाई और विशेष चीनी अनुसंधान का दौरा किया। शुगर टेक्नोलाजी डिवीजन में मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए शोकेस में रखी ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड की प्रतिनिधियों ने काफी सराहना की। दक्षिण अफ्रीका के प्रनिधियों ने ऐसे उत्पादों की लागत अर्थशास्त्र और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए संभावित गठजोड़ के बारे में चर्चा की। आडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, यूएसए, निदेशक डा. (श्रीमती) गिलियन एग्लस्टन ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और दोनों संस्थानों के लाभ के लिए एक-दूसरे की गतिविधियों में भागीदारी की संभावनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। एनएसआई के निदेशक प्रो. नरेंद्र मोहन ने कहाकि दोनों संस्थानों की ओर से आनलाइन गतिविधियों को शुरू करने पर आपसी सहमति बनी है। प्रतिनिधि मंडल की याला अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए नये दरवाजे खोलेगी और संस्थान की गतिविधियों को कई और देशों में आगे ले जाएगी।

एनएसआई की तकनीक जानी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। आठ देशो के 17 प्रतिनिधियों के दल ने शनिवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया। उन्होंने संस्थान की कार्यप्रणाली, प्रयोगों, उपलब्धियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही भविष्य में शैक्षिक सामग्री के आदान-प्रदान पर भी चर्चा हुई।

निदेशक प्रो. नरेन्द्र मोहन ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मॉरीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया और युगांडा के 17 प्रतिनिधियों का एक दल संस्थान में आया है। दल को संस्थान के बनाए 'सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल ऑफ शुगर इंडस्ट्री' के बारे में बताया। इसकी फिलीपींस व युगांडा के प्रतिनिधियों ने कार्यान्वयन की जानकारी ली। प्रतिनिधियों को प्रयोगशालाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनॉल, बीयर इकाई और विशेष चीनी अनुभाग के बारे में भी जानकारी दी। शोकेस में रखी ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर व गुड़ स्प्रेड की प्रतिनिधियों ने सराहना की। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने लागत व अर्थशास्त्र की गठजोड़ पर चर्चा की। यूएसए के ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. गिलियन एग्लस्टन ने शैक्षणिक कार्यक्रमों की संभावनाओं पर चर्चा की।

एनएसआई में बैठक करते विदेश से आए डेलीगेट्स। अमृत विचार

- आठ देशो के 17 प्रतिनिधियों ने किया दौरा

कई देशों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का किया दौरा

कानपुर (नगर छाया समाचार)। संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मॉरीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया और युगांडा के 17 प्रतिनिधियों की एक टीम ने आज राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर का दौरा किया ताकि इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन किया जा सके और आपसी हित के क्षेत्रों पर एक साथ काम करने की संभावनाएं तलाशी जा सकें। प्रतिनिधि इन देशों के संस्थानों और चीनी कारखानों में कार्यरत हैं।

पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत करने के बाद, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी। एक छत के नीचे शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और चीनी गुणवत्ता नियंत्रण की गतिविधियों से प्रतिनिधि काफी प्रभावित हुए। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा कि संस्थान ने चीनी उद्योग के विकास और इसे टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान द्वारा विकसित %सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल ऑफ शुगर इंडस्ट्री को उद्योग को व्यवहार्य बनाने के लिए प्रतिनिधियों द्वारा काफी सराहा गया। विशेष रूप से फिलीपींस और युगांडा के प्रतिनिधियों ने अपने देशों में संभावित कार्यान्वयन के लिए मॉडल के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की । इन देशों ने अपने-अपने देशों में शर्करा संस्थान स्थापित करने में संस्थान के सहयोग की भी इच्छा जताई।

इसके बाद प्रतिनिधियों ने अनुसंधान और अन्य गतिविधियों को देखने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनॉल और बीयर इकाई और विशेष चीनी अनुभाग का दौरा किया। शुगर टेक्नोलॉजी डिवीजन में मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए शोकेस में रखी ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड की प्रतिनिधियों ने काफी सराहना की। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने ऐसे उत्पादों की लागत-अर्थशास्त्र और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए संभावित गठजोड़ के बारे में चर्चा की।

डॉ. (श्रीमती) गिलियन एग्लस्टन, निदेशक, ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, यूएसए ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और दोनों संस्थानों के लाभ के लिए एक दूसरे की गतिविधियों में भागीदारी की संभावनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान,कानपुर के निदेशक श्री नरेंद्र मोहन ने कहा कि दोनों संस्थान के संकायों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान की व्यवस्था करके गतिविधियों को शुरू करने के लिए आपसी सहमति बनी। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान,कानपुर के निदेशक ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की यात्रा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए नए दरवाजे खोलेगी और संस्थान की गतिविधियों को कई और देशों में आगे ले जाएगी।

शर्करा संस्थान पहुंची विदेशी टीम, कार्य प्रणाली को समझा

नगराज दर्पण समाचार

कानपुर।संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मॉरीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया और युगांडा के 17 प्रतिनिधियों की एक टीम ने शनिवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा किया, ताकि इसकी कार्यप्रणाली का अध्ययन किया जा सके और आपसी हित के क्षेत्रों पर एक साथ काम करने की संभावनाएं तलाशी जा सकें। प्रतिनिधि इन देशों के संस्थानों और चीनी कारखानों में कार्यरत हैं।पारंपरिक तरीके से उनका स्वागत करने के बाद, राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में एक प्रस्तुति दी। एक छत के नीचे शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श और चीनी गुणवत्ता नियंत्रण की गतिविधियों से प्रतिनिधि काफी प्रभावित हुए। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक ने कहा कि संस्थान ने चीनी उद्योग के विकास और इसे टिकाऊ बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान द्वारा विकसित सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल ऑफ शुगर इंडस्ट्री% को उद्योग को व्यवहार्य बनाने के लिए प्रतिनिधियों द्वारा काफी सराहा गया।विशेष रूप से फिलीपींस और युगांडा के प्रतिनिधियों ने अपने देशों में संभावित कार्यान्वयन के लिए मॉडल के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। इन देशों ने अपने-अपने देशों में शर्करा संस्थान स्थापित करने में संस्थान के सहयोग की भी इच्छा जताई।इसके बाद प्रतिनिधियों ने अनुसंधान और अन्य गतिविधियों को देखने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनॉल और बीयर इकाई और विशेष चीनी अनुभाग का दौरा किया। शुगर टेक्नोलॉजी डिवीजन में मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए शोकेस में रखी ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड की प्रतिनिधियों ने काफी सराहना की। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने ऐसे उत्पादों की लागत अर्थशास्त्र और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए संभावित गठजोड़ के बारे में चर्चा की।डॉ. गिलियन एग्लस्टन, निदेशक, ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, यूएसए ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और दोनों संस्थानों के लाभ के लिए एक दूसरे की गतिविधियों में भागीदारी की संभावनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। शर्करा संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन ने कहा कि दोनों संस्थान के संकायों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान की व्यवस्था करके गतिविधियों को शुरू करने के लिए आपसी सहमति बनी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निर्देशक ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल की यात्रा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए नए दरवाजे खोलेगी और संस्थान की गतिविधियों को कई और देशों में आगे ले जाएगी।

कानपुर जागरण

एनएसआइ के विशेषज्ञ सात देशों में स्थापित कराएंगे शोध संस्थान

विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के लिए निदेशक के समक्ष रखा प्रस्ताव, जल्द ही दोनों पक्षों में होगा एमओयू

जासं, कानपुर : भारत चीनी उत्पादन में ब्राजील, थाईलैंड, चीन, आस्ट्रेलिया को टक्कर दे रहा है। यहां के उत्पादन में एनएसआइ की तकनीक का पूरा सहयोग रहता है। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआइ) के विशेषज्ञ अब सात देशों आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मारीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया और युगांडा में शोध संस्थान स्थापित कराएंगे। भारत के चीनी उद्योग में आत्मनिर्भर माडल को जानने के लिए शनिवार को नौ देशों के 17 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने एनएसआइ का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने एनएसआइ निदेशक नरेंद्र मोहन के समक्ष प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और शोध संस्थान खोलने में सहयोग करने व एमओयू करने का प्रस्ताव रखा।

अमेरिका, आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मारीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया, दक्षिण अफ्रीका और युगांडा में संचालित संस्थानों व चीनी कारखानों में कार्यरत 17 प्रतिनिधियों को निदेशक ने संस्थान द्वारा चीनी उद्योग में दिए गए आत्मनिर्भर माडल यानी सेल्फ सस्टेनेबल माडल आफ शुगर इंडस्ट्री से अवगत कराया। प्रतिनिधियों ने प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनाल, बीयर इकाई, ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड की प्रक्रिया के बारे में जाना। निदेशक नरेंद्र मोहन ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की यात्रा अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए नए दरवाजे खोलेगी।

कल्याणपुर स्थित राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में आए विदेशी प्रतिनिधियों ने संस्थान की प्रयोगशाला देखी, साथ में संस्थान के निदेशक नरेंद्र मोहन मौजूद रहे ● जागरण

राख से जैविक खाद बनाने की हुई सराहना : प्रतिनिधियों ने डिस्टलरी से निकलने वाली राख से जैविक खाद बनाने और गन्ने की खोई से पार्टिकल बोर्ड तैयार करने की सराहना की। इसके साथ ही गन्ने की बेकार खोई से इथेनाल, हर्बल साबुन, कृत्रिम प्लास्टिक, बिस्कुट का उत्पादन करने की तकनीक, सैनिटाइजर बनाने का फार्मूला, शीरे से चाशनी बनाने के बाद बेकार बचे फिल्टर केक से बायो सीएनजी बनाने की तकनीक को भी पसंद किया।

चीनी उद्योग में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दे रहा एनएसआइ

प्रतिनिधियों को बताया गया कि वर्तमान समय में चीनी मिलें ग्रीन एनर्जी का मुख्य स्रोत बन रही हैं। एनएसआइ ने चीनी मिलों को खोई से बिजली बनाने, बायो गैस बनाने, शीरा से इथेनाल बनाने की तकनीक विकसित करके दी है। आत्मनिर्भर माडल में गन्ने की उपलब्धता के आधार पर चीनी मिल की उत्पादन क्षमता का निर्धारण किया जाता है, फिर शीरा निकलने का आकलन होता है। इसके आधार पर इथेनाल इकाई की क्षमता तय होती है। इसके बाद गणना करके खपत के अनुसार निर्यात पर फोकस किया जाता है।

शहर के एनएसआई से चीनी उद्योग के गुर सीखेंगे दूसरे देश

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। चीनी उद्योग के विकास के गुर अमेरिका, आस्ट्रेलिया, फ्रांस, बेल्जियम फिलीपींस, युगांडा और मॉरीशस नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट (एनएसआई) से सीखेंगे। इन देशों के 17 प्रतिनिधियों की टीम ने शनिवार को इंस्टीट्यूट का दौरा किया और यहां की कार्य प्रणाली को समझा। इसके साथ ही आपसी हित के क्षेत्रों में एक साथ काम करने की संभावनाएं तलाशीं।

इस मौके पर एनएसआई की निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने संस्थान में विकसित किए गए मॉडल, तकनीक और कार्यप्रणाली के संबंध में दूसरे देशों के प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुति दी। बाजार के मांग के अनुरूप चीनी की उत्पादकता, गन्ने से बनने वाले मूल्यवर्धित उत्पाद, एक छत के नीचे शिक्षण, अनुसंधान और गुणवत्ता नियंत्रण आदि बिंदुओं पर चर्चा हुई। संस्थान के सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल आफ शुगर इंडस्ट्री को बहुत पसंद किया गया।

एनएसआई की शर्करा इंजीनियरिंग, तकनीक और कार्य प्रणाली देखने के बाद विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने अपने यहां शर्करा संस्थान स्थापित करने में इंस्टीट्यूट का सहयोग मांगा। इसके अलावा

एनएसआई में आए विदेशी प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन।

प्रतिनिधियों ने एनएसआई की विभिन्न प्रयोगशालाएं, सुविधाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनॉल और बियर इकाई तथा विशेष चीनी अनुभाग को देखा। शुगर टेक्नोलॉजी डिवीजन में ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रैड देखा। अमेरिका के ऑडोबेन शुगर इंस्टीट्यूट की निदेशक डॉ. गिलियन एग्लस्टन ने एनएसआई के साथ विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी की संभावनाओं पर चर्चा की। दोनों संस्थानों के निदेशकों के बीच ऑनलाइन व्याख्यान की व्यवस्था करके गतिविधियां शुरू करने के संबंध में आपसी सहमति बनी।

उपलब्धि | एनएसआई विदेशों से संपर्क कर शोध को बढ़ावा देगा, आठ देशों के 17 प्रतिनिधि पहुंचे, पाकिस्तान समेत तीन देशों के सदस्य नहीं आए

अमेरिका समेत आठ देशों को भायी फ्लेवर्ड शुगर, गुड़ स्प्रेड

कानपुर, वरिष्ठ संवाददाता। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) विदेशों से संपर्क कर शोध को बढ़ावा देगा। शनिवार को आठ देशों के 17 प्रतिनिधियों ने संस्थान का दौरा कर एनएसआई के साथ कार्य करने की इच्छा जताई। 26 सदस्यों को यहां आना था जिसमें से आठ देशों के प्रतिनिधि ही आ सके। जर्मनी, सेनेगल और पाकिस्तान के प्रतिनिधि नहीं आ सके। विदेशियों को फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड के अलावा संस्थान का इंडस्ट्री मॉडल काफी पसंद आया।

संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मॉरीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया और युगांडा के सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल दोपहर बाद राष्ट्रीय शर्करा संस्थान पहुंचा। करीब तीन घंटे तक संस्थान की पूरी कार्यप्रणाली देखी। यहां हो रहे शोध कार्यों के बारे में जानकारी ली। शर्करा तैयार करने में मिलने वाले सह उत्पादों के बारे में भी जानकारी ली।

एनएसआई में आठ देशों के 17 प्रतिनिधि पहुंचे और साथ काम करने की इच्छा जताई।

विदेशियों को भायी फ्लेवर्ड शुगर, गुड़ स्प्रेड : विदेशी सदस्यों ने अनुसंधान और अन्य गतिविधियों को देखने के लिए विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनॉल और बीयर इकाई के साथ विशेष चीनी अनुभाग का भी दौरा किया।

शुगर टेक्नोलॉजी डिवीजन में मूल्य वर्धित उत्पादों के लिए शोकेस में रखी ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड की प्रतिनिधियों ने काफी सराहना की। दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने ऐसे उत्पादों की लागत और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर पर चर्चा की।

अमेरिका, फिलीपींस और युगांडा बढ़ाएंगे सहयोग : ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट, यूएसए की निदेशक डॉ. गिलियन एग्लस्टन ने विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और दोनों संस्थानों के लाभ के लिए भागीदारी की संभावनाओं के बारे में चर्चा की। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने विदेशियों के प्रतिनिधि मंडल को बताया कि यहां एक छत के नीचे शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श, चीनी गुणवत्ता नियंत्रण की गतिविधियां चलती हैं।

चीनी प्रोसेसिंग को समझने के लिए

विदेशियों ने NSI का किया निरीक्षण

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया व बेल्जियम व फ्रांस सहित 17 देशों के प्रतिनिधियों ने किया भ्रमण

शैक्षिक सहयोग मिलने की जतायी अपेक्षा

अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम और फ्रांस सहित 17 देशों के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा कर यहां की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया। विदेशी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देश में शर्करा संस्थान स्थापित करने में संस्थान से सहयोग की अपेक्षा की।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान का दौरा करने वाली टीम में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम, मॉरीशस, फ्रांस, फिलीपींस, कोलंबिया व युगांडा सहित 17 देशों के प्रतिनिधियों ने यहां की कार्यप्रणाली को देखा और समझा। इसका उद्देश्य यहां की कार्यप्रणाली का अध्ययन कर आपसी हित के क्षेत्रों में एकसाथ काम करने की संभावनाएं तलाशना है। मेहमानों का स्वागत करने के बाद संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने संस्थान की गतिविधियों के बारे में प्रस्तुति दी। प्रतिनिधिमंडल एकसाथ एक ही छत के नीचे शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श व चीनी गुणवत्ता नियंत्रण की गतिविधियां होती देख खासा प्रभावित हुआ। संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने कहा कि संस्थान ने चीनी उद्योग के विकास व इसे टिकाऊ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। संस्थान द्वारा विकसित सेल्फ सस्टेनेबल मॉडल ऑफ शुगर इंडस्ट्री को सराहा गया। विशेष रूप से फिलीपींस व युगांडा के प्रतिनिधियों ने अपने देशों में संभावित कार्यान्वयन के लिये मॉडल के बारे में अधिक जानकारी भी मांगी। सभी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देशों में शर्करा संस्थान स्थापित करने में संस्थान से सहयोग भी मांगा। प्रतिनिधियों ने अनुसंधान और अन्य गतिविधियों को देखने के लिये विभिन्न प्रयोगशालाओं और अन्य सुविधाओं, प्रायोगिक चीनी मिल, इथेनॉल और बीयर इकाई के साथ साथ चीनी अनुभाग का दौरा किया। प्रतिनिधियों ने शुगर टेक्नोलॉजी डिवीजन में मूल्य वर्धित उत्पादों ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर, फोर्टिफाइड शुगर, लिक्विड शुगर, फ्लेवर्ड शुगर और गुड़ स्प्रेड आदि को देखा और सराहा। अमेरिका के ऑडोबोन शुगर इंस्टीट्यूट की निदेशक डॉ.गिलियन एगलस्टन ने संस्थान के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों और दोनों संस्थानों के लाभ के लिए एकदूसरे की गतिविधियों में भागीदारी की संभावनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। संस्थान के निदेशक प्रो.नरेन्द्र मोहन ने बताया कि दोनों संस्थानों के संकायों द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान की व्यवस्था करके गतिविधियों को शुरू करने के लिये आपसी सहमति बनी है।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में जानकारी लेते विदेशी प्रतिनिधि मंडल के सदस्यगण। फोटो : एसएनबी

Links for Digital News

- अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपिंस के प्रतिनिधियों ने देखा राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर, अब एक साथ काम करेंगे। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर (National Sugar Institute Kanpur) में अमेरिका, आस्ट्रेलिया समेत कई देशों के प्रतिनिधियों ने संस्थान में तैयार होने वाले शुगर प्रॉसेस को देखकर इंडस्ट्री को जमकर सराहा.
- कानपुर: राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में कई देशों के 17 प्रतिनिधियों की एक टीम ने किया दौरा।